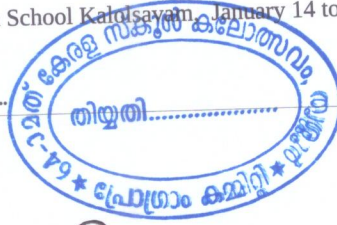




Item Code: 641



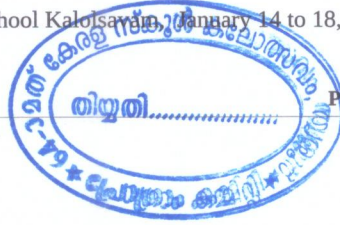
Participant Code: 044

कविता

जन्म का कर्म
और
जीवन की लक्ष्य

यह जीवन है भगवान का वरदान,
हर हाल में कर लो इसका मान।
इस जन्म मिला है ईश्वर कृपा से,
असफलता से न जाने दो इसको।

वह जीवन भी क्या जीवन है,
जिसमें आशा की नीर नहीं।
वह जन्म भी क्या जन्म है,
जिसमें कोई भी लक्ष्य नहीं।



अब भी बहुत वक्त है सामने,
चुन लो लक्ष्य और करो इस जन्म का कर्म ।
याद रखना हमेशा एक बात,
समय की बहाव न रुकेगी कभी भी ।

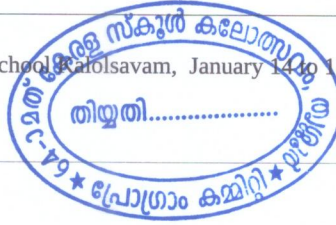
समझ लो जीवन की सत्य,
एक ही बार की मौका है ये ।
इसको कभी छोड़ दिया तो,
दूसरा न मिलेगा इस जन्म में ।

हम बहुत कर सकते हैं जीवन में,
बस सोचो और पहचानो उसको ।
अच्छे कर्मों से इस जीवन को,
बदलो एक पुण्य की मौका में ।

करो वही काम जिससे,
देश की हो हमेशा मान ।
करो वही काम जिससे,
सबके मन में हो अभिमान ।



Item Code: 641



Participant Code: 044

गरीब लोगों की करो सहायता,
भूखे लोगों को दो खाना,
प्यासे लोगों को दो पानी,
ऐसे करो जीवन का कर्म ।

अन्याय के विरुद्ध आवाज़ उठाकर,
सबको अपने दया देश्वर,
उनकी खुशी को बढ़ाकर,
करो अपने जीवन को सफल ।

माँ - बाँप को आदर करकर,
गुरु पाठ को मन में रखकर,
जीवन में एक लक्ष्य बनाकर,
आगे बढ़ते ही रहो हमेशा ।

ईमानदारी, प्यार और सहानुभूति के,
राह में ही जियोगे तो,
ईश्वर भी साथ देगा
जीवन लक्ष्य की प्राप्ति में ।



Item Code: 641



Participant Code: 044

करो जो कर्म जिससे
दूसरों का न हो कुछ हानी ।
करो जो कर्म जिससे
प्रकृति की संतुलन न बिगाड़े ।

करो जो कर्म जिससे
जीवन में सफलता आये ।
करो जो कर्म जिससे
देश की नाम रोशन हो ।

यह जीवन है भगवान का वरदान,
हर हाल में कर लो इसका मान ।
इस जन्म मिला है ईश्वर कृपा से,
असफलता से न जानें दो इसको ।